Report on National Webinar on *"Wealth Creation Through Financial Planning"*

Jointly organized by: Postgraduate Department of Commerce, Magadh University, Bodh Gaya and the Indian Accounting Association, Patna Branch, Bihar in collaboration with the Association of Mutual Funds in India

Date: 09 December 2024 **Venue:** Zoom meetings

Video available at https://www.youtube.com/watch?v=gHRo-tMh3Bo

Patron
Prof. Shashi Pratap Shahi
Hon'ble Vice-Chancellor, Magadh University, Bodhgaya

Co-Patron
Prof. B. R. K. Sinha
Hon'ble Pro Vice-Chancellor, Magadh University, Bodhgaya

Convenor
Prof. Anwar Khurshid Khan
Head, P.G. Department of Commerce, Magadh University, Bodhgaya

Speaker
Mr. Surya Kant Sharma
Sr. Consultant - AMFI (Former DGM SEBI)

Organising Secretary
Dr. Vineeta Kumari
Assistant Professor, P.G. Department of Commerce, Magadh University, Bodhgaya
Treasurer, Indian Accounting Association, Patna Branch

Other Organising Committee Members
Dr. Shweta Goel, Assistant Professor, P.G. Department of Commerce, Magadh University
Dr. Panna Lal, Head & Asst. Pofessor, Department of Commerce, Gaya College, Gaya
Dr. Pankaj Kumar Mahato, Asst. Professor, Department of Commerce, Gaya College, Gaya
Mr. Jatin Kumar Jaiswal, Senior Research Fellow, Central University of South Bihar, Gaya
Ms. Pooja Kumari, Junior Research Fellow, Central University of South Bihar, Gaya

Comprehensive Report

The program started with a brief welcome by Mr. Jatin Kumar Jaiswal. This was followed by the inaugural address of Dr. Vineeta Kumari, Organizing Secretary. Thereafter, Prof. Anwar Khurshid Khan, the Convenor, addressed the virtual gathering of more than 220 participants. Mr. Suryakant Sharma, the Speaker, who has also been a senior advisor in AMFI and a former Deputy General Manager in SEBI, shared his vast experience and expertise in the financial sector with all the participants. He appealed to everyone that investing in old ways is of no benefit to the present generation and now there is a need to invest their money in such schemes beyond Fixed Deposits, which will make their money earn for them. He talked about some important schemes like Umbrella Health Insurance, PPF, Digital-Gold, Sukanya Samriddhi Yojana, National Savings Certificate, Kisan Vikas Patra, RBI Retail Direct, SIP etc. as good investment options.

During the session, a series of questions were asked by the participants and after understanding the doubts of the participants regarding investment, Mr. Sharma guided them how, when and how much they should invest at the right place. He asked the youth to be cautious and said that if they earn money with a lot of hard work, then they should invest carefully and do not get misled by fake promises. Dr. Dharen Kumar Pandey, Assistant Professor, IIM Sambalpur and Secretary, Indian Accounting Association, Patna Branch was also present and made the session interactive. The webinar was successfully coordinated by Mr. Jatin Kumar Jaiswal and Ms. Pooja Kumari, Central University South Bihar, Gaya. Dr. Panna Lal, Dr. Pankaj Kumar Mahato and Dr. Bablu Kumar of SN Sinha College, Jehanabad made an important contribution in making the webinar a success. The program ended with a vote of thanks by Ms. Pooja Kumari.

Report prepared by

Dr. Vineeta Kumari (Organising Secretary)
Assistant Professor, P.G. Department of Commerce, MU, Bodhgaya
Treasurer, Indian Accounting Association, Patna Branch

Verified by
Prof. Anwar Khurshid Khan (Convenor)
Head & Dean, Faculty of Commerce, MU, Bodhgaya

Glimpse of the event

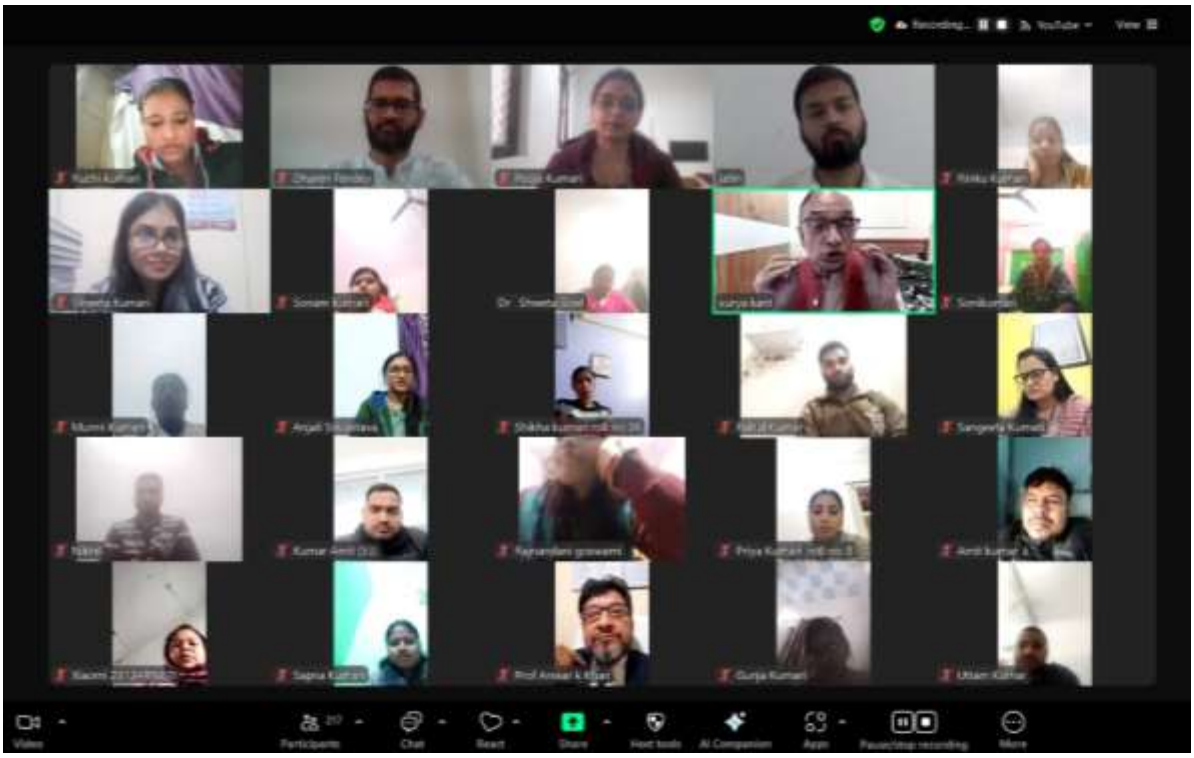

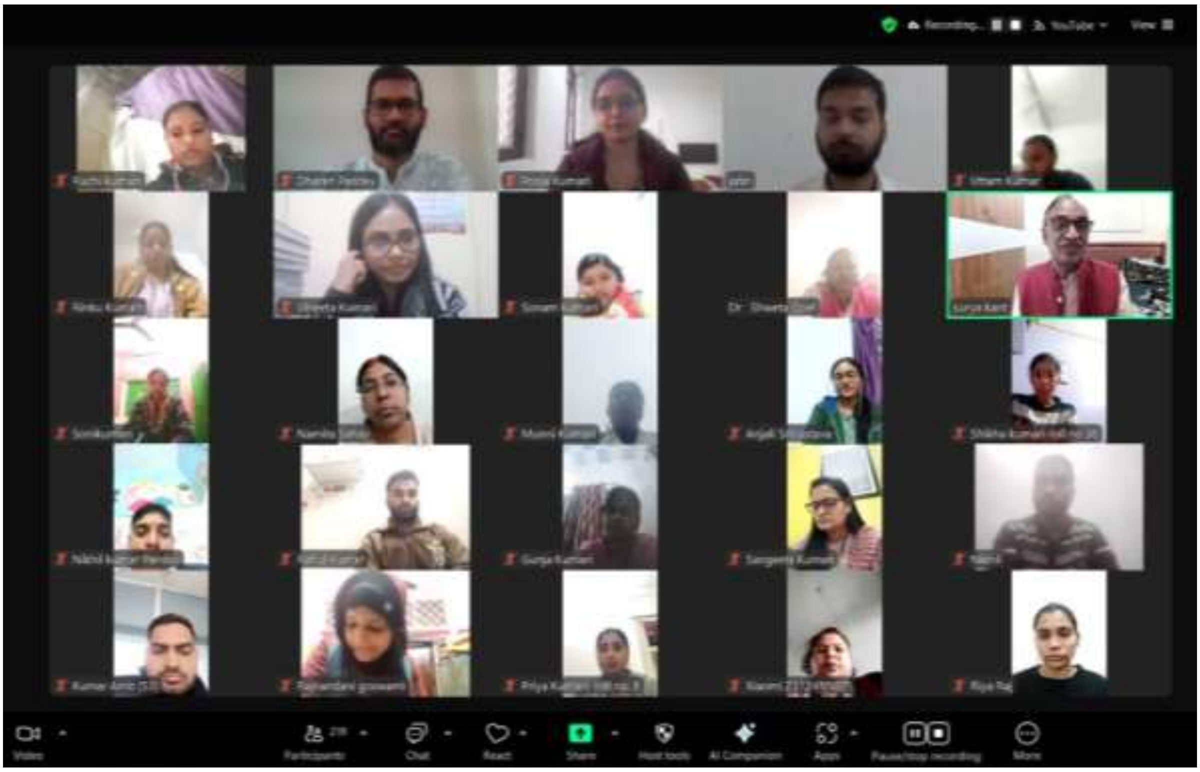

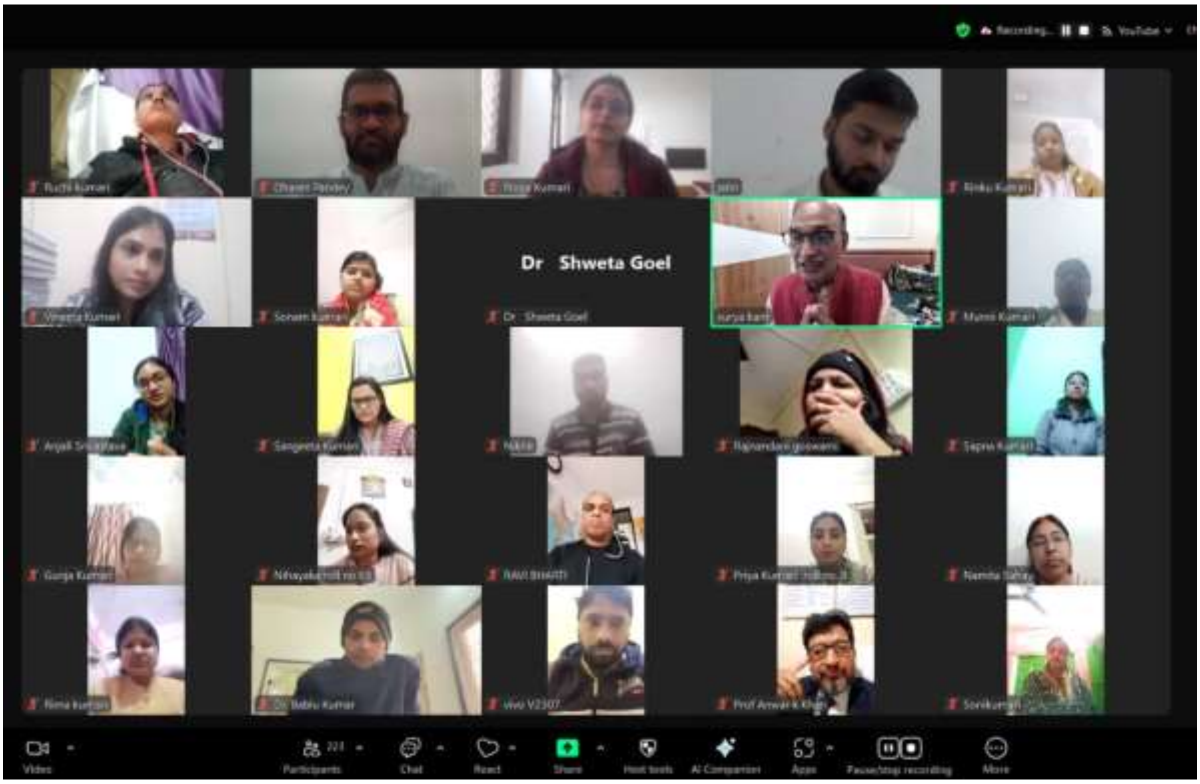
Dr Shweta Goel

Workplace

Workplace

Media Coverage

आज | गया | पटना | मंगलवार, १० दिसम्बर, २०२४ | ४

पैसा मेहनत से कमाते हैं तो निवेश भी ध्यान पूर्वक करें: सूर्यकांत

वाणिज्य विभाग में धन सृजन के माध्यमसे वित्तीय सशक्तिकरण पर संगोष्ठी

बोधगया (आससे)। मगध विश्वविद्यालयके स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग में भारतीय लेखा संघ, पटना शाखा एवं एसोसिएशन आफ म्यूचुअल फंड आफ इंडिया (एएमएफआई) के सहयोग से विषय 'धन सृजन के माध्यम से वित्तीय सशक्तिकरण' पर एक राष्ट्रीय वेबिनारका आयोजन किया। इस कार्यक्रम की शुरुआत संगोष्ठी की आयोजन सचिव एवं डा विनीता कुमारी के उद्घाटन-संबोधन के साथ हुआ। विभागाध्यक्ष प्रो. अनवर खुर्शीद खान ने संगोष्ठी को संबोधित किया। एएमएफआई में वरिष्ठ सलाहकार और सेबी में एक पूर्व उप-महाप्रबंधक विशेषज्ञ संगोष्ठी के मुख्य वक्त सूर्यकांत शर्माने वित्तीय क्षेत्रमें अपने विशाल अनुभव और विशेषज्ञताको

सभी सहभागियों के साथ साझा किया। उन्होंने सभी से अपील किया कि पुराने तरीकोंसे निवेश करने से वर्तमान पीढ़ी को कोई लाभ नहीं है तथा अब जरूरत है कि एफ.डी. के परे अपने पैसों को ऐसी योजनाओं में निवेश करें जिससे उनके पैसे उन्हें कमा कर दें। उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण योजनाओं की बात कही जैसे अम्ब्रेला स्वास्थ्य बीमा, पीपीएफ,डिजिटल-गोल्ड, सुकन्या समृद्धि योजना, राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्र, किसान विकास-पत्र, आरबीआई रिटेल डायरेक्ट, एसआईपी इत्यादि जहाँ निवेशके अच्छे आयाम हैं। उन्होंने आज के युवाओं को सतर्क रहने की बात कही और कहा कि पैसा बहुत मेहनत से कमाते हैं तो निवेश भी ध्यानपूर्वक करें और कहीं किसी भुलावे, बहकावेमें ना आयें। संगोष्ठी के प्रवर्तक आईआईएम संबलपुर के सहायक प्राध्यापक एवं भारतीय लेखा संघ, पटना शाखाके सचिव डा. धरेन कुमार पाण्डेय रहे। डा.श्वेता गोयल ने प्रश्नोत्तरी सत्र का संचालन किया। संगोष्ठी का सफल संचालन दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया के शोधार्थी जतिन कुमार जयसवाल एवं पूजा कुमारी ने किया। संगोष्ठी को सफल बनाने में गया कालेज के विभागाध्यक्ष डा. पन्ना लाल एवं डा. पंकज कुमार महतो तथा एस एन कालेज, जहानाबाद के डा. बबलू कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पूजा कुमारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

दैनिक भास्कर | गया | पटना, मंगलवार, 10 दिसंबर, 2024 | 12

मगध विश्वविद्यालय में हुआ धन सृजन के माध्यम से वित्तीय सशक्तीकरण पर वेबिनार

पुराने तरीकों से निवेश करने से आज की युवा पीढ़ी को नहीं है कोई लाभ

एजुकेशन रिपोर्टर | बोधगया

सोमवार को मगध विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग ने भारतीय लेखा संघ, पटना शाखा एवं एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड ऑफ इंडिया (एएमएफआई) के सहयोग से 'धन सृजन के माध्यम से वित्तीय सशक्तिकरण' विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार किया। इसकी शुरुआत, संगोष्ठी की आयोजन सचिव एवं सहायक प्राध्यापिका डॉ विनीता कुमारी के उद्घाटन-संबोधन के साथ हुआ।

तत्पश्चात विभागाध्यक्ष प्रो. अनवर खुर्शीद खान ने सभी को संबोधित किया। विशेषज्ञ एवं संगोष्ठी के मुख्य वक्ता सूर्यकांत शर्मा, जो एएमएफआई में एक वरिष्ठ सलाहकार और सेबी में एक पूर्व उप-महाप्रबंधक भी रहे हैं, वित्तीय क्षेत्र में अपने विशाल अनुभव और विशेषज्ञता को सभी सहभागियों के साथ साझा किया। उन्होंने सभी से अपील की है कि पुराने तरीकों से निवेश करने से अब की पीढ़ी को कोई लाभ नहीं है तथा अब जरूरत है कि एफडी के परे अपने पैसों को ऐसी योजनाओं में निवेश करें जिससे उनके पैसे उन्हें कमा कर दें। उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण योजनाओं की बात कही जैसे अम्ब्रेला स्वास्थ्य बीमा, पीपीएफ, डिजिटल-गोल्ड, सुकन्या समृद्धि योजना, राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्र, किसान विकास-पत्र, आरबीआई रिटेल डायरेक्ट, एसआईपी इत्यादि में निवेश के अच्छे आयाम हैं।

वेबिनार में शामिल वक्ता।

ध्यानपूर्वक करें निवेश

इस सत्र के दौरान प्रश्न-उत्तर का सिलसिला भी चलता रहा और सहभागियों के निवेश के प्रति कई उलझनों को समझ कर उन्हें सही जगह पर निवेश कैसे, कब और कितना तक करना चाहिए, विशेषज्ञ श्री शर्मा ने बताया। उन्होंने आज के युवाओं को सतर्क रहने की बात कही और कहा कि पैसा बहुत मेहनत से कमाते हैं तो निवेश भी ध्यानपूर्वक करें और कहीं किसी भुलावे, बहकावे में ना आयें। संगोष्ठी के प्रवर्तक आईआईएम संबलपुर के सहायक प्राध्यापक एवं भारतीय लेखा संघ, पटना शाखा के सचिव डॉ. धरेन कुमार पाण्डेय रहे। सहायक प्राध्यापिका डॉ. श्वेता गोयल ने प्रश्नोत्तरी सत्र का संचालन किया।

सीयूएसबी के प्राध्यापक को शोध के लिए मिला 20 लाख अनुदान

गया| दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय के आर्थिक अध्ययन व नीति विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. रिकिल चिरमंग को विजन विकसित भारत@2047 पर आधारित परियोजना पर शोध के लिए भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली से 20 लाख रुपए का सहयोगात्मक अनुदान मिला है। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, कुलसचिव प्रो. नरेंद्र कुमार राणा के साथ विभाग के अध्यक्ष प्रो. कृष्णन चलिल व अन्य प्राध्यापकों ने डॉ. रिकिल व उनकी टीम को बधाई व शुभकामनाएं दी हैं।

इनका रहा सहयोग

संगोष्ठी का सफल संचालन केंद्रीय विश्वविद्यालय दक्षिण बिहार, गया के शोधार्थी जतिन कुमार जायसवाल एवं पूजा कुमारी ने किया। संगोष्ठी को सफल बनाने में गया कालेज, गया के विभागाध्यक्ष डॉ. पन्ना लाल एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. पंकज कुमार महतो तथा एसएन कॉलेज, जहानाबाद के डॉ. बबलू कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पूजा कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

प्रभात खबर **कैंपस प्रभात** पटना, मंगलवार 10.12.2024 | 06

नोटिस बैनर: बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) 70वीं संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा 13 व 14 दिसंबर को होगी

मगध विश्वविद्यालय. वाणिज्य विभाग ने किया वेबिनार का आयोजन

पैसा निवेश ध्यानपूर्वक करें किसी के बहकावे में न आएं

वरीय संवाददाता, बोधगया

मगध विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग ने सोमवार को भारतीय लेखा संघ पटना शाखा एवं एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड ऑफ इंडिया (एएमएफआइ) के सहयोग से धन सृजन के माध्यम से वित्तीय सशक्तिकरण विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया. इस कार्यक्रम की शुरुआत संगोष्ठी की आयोजन सचिव एवं सहायक प्राध्यापिका डॉ विनिता कुमारी के उद्घाटन संबोधन के साथ हुई. इसके बाद विभागाध्यक्ष प्रो अनवर खुर्शीद खान ने संबोधित किया. वह संगोष्ठी के मुख्य वक्ता सूर्यकांत शर्मा रहे, जो एएमएफआइ में एक वरिष्ठ सलाहकार और सेबी में एक पूर्व उप महाप्रबंधक भी रहे हैं. उन्होंने वित्तीय क्षेत्र में अपने विशाल अनुभव और विशेषज्ञता को सभी सहभागियों के साथ साझा किया. उन्होंने सभी से अपील की कि पुराने तरीकों से निवेश करने से अब की पीढ़ी को कोई लाभ नहीं है तथा अब जरूरत है कि एफडी के परे अपने पैसों को ऐसी योजनाओं में निवेश करें, जिससे उनके पैसे उन्हें कमा कर दें. उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण योजनाओं की बात कही. अम्ब्रेला स्वास्थ्य बीमा, पीपीएफ, डिजिटल-गोल्ड, सुकन्या समृद्धि योजना, राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र, किसान विकास-पत्र, आरबीआइ रिटेल डायरेक्ट, एसआइपी इत्यादि में निवेश के अच्छे आयाम हैं. सत्र के दौरान प्रश्न-उत्तर का सिलसिला भी चलता रहा और सहभागियों के निवेश के प्रति कई उलझनों को सम्झा कर उन्हें सही जगह पर निवेश कैसे, कब और कितना तक करना चाहिए, यह विशेषज्ञ श्री शर्मा ने बताया. उन्होंने आज के युवाओं को सतर्क रहने की बात कही व कहा कि पैसा बहुत मेहनत से कमाते हैं, तो निवेश भी ध्यानपूर्वक करें और कहीं किसी भुलावे, बहकावे में नहीं आएं.

वेबिनार में शामिल प्रतिभागी.

संगोष्ठी को सफल बनाने में इनकी अहम भूमिका

संगोष्ठी के प्रवर्तक आइआइएम संबलपुर के सहायक प्राध्यापक व भारतीय लेखा संघ पटना शाखा के सचिव डॉ धरेन कुमार पांडेय रहे. सहायक प्राध्यापिका डॉ श्वेता गोयल ने प्रश्नोत्तरी सत्र का संचालन किया. संगोष्ठी का सफल संचालन केंद्रीय विश्वविद्यालय दक्षिण बिहार गया के शोधार्थी जतिन कुमार जायसवाल व पूजा कुमारी ने किया. संगोष्ठी को सफल बनाने में गया कालेज गया के डॉ पन्ना लाल व सहायक प्राध्यापक डॉ पंकज कुमार महतो के साथ एसएन कॉलेज, जहानाबाद के डॉ बबलू कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा. पूजा कुमारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ.

---

2 **गया** पटना। मंगलवार • 10 दिसम्बर • 2024
राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com |

वित्तीय सशक्तीकरण पर संगोष्ठी

संगोष्ठी को संबोधित करते वक्ता।

बोधगया (एसएनबी)। मगध विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग में भारतीय लेखा संघ, पटना शाखा एवं एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड ऑफ इंडिया (एएमएफआई) के सहयोग से विषय धन सृजन के माध्यम से वित्तीय सशक्तिकरण" पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की शुरुआत संगोष्ठी की आयोजन सचिव एवं डॉ विनीता कुमारी के उद्घाटन-संबोधन के साथ हुआ। विभागाध्यक्ष प्रो. अनवर खुर्शीद खान ने संगोष्ठी को संबोधित किया। एएमएफआई में वरिष्ठ सलाहकार और सेबी में एक पूर्व उप-महाप्रबंधक विशेषज्ञ संगोष्ठी के मुख्य वक्ता सूर्यकांत शर्मा ने वित्तीय क्षेत्र में अपने विशाल अनुभव और विशेषज्ञता को सभी सहभागियों के साथ साझा किया।

उन्होंने सभी से अपील किया कि पुराने तरीकों से निवेश करने से वर्तमान पीढ़ी को कोई लाभ नहीं है तथा अब जरूरत है कि एफ.डी. के परे अपने पैसों को ऐसी योजनाओं में निवेश करें जिससे उनके पैसे उन्हें कमा कर दें। उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण योजनाओं की बात कही जैसे अम्ब्रेला स्वास्थ्य बीमा, पीपीएफ, डिजिटल-गोल्ड, सुकन्या समृद्धि योजना, राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्र, किसान विकास-पत्र, आरबीआई रिटेल डायरेक्ट, एसआईपी इत्यादि जहाँ निवेश के अच्छे आयाम है। उन्होंने आज के युवाओं को सतर्क रहने की बात कही और कहा कि पैसा बहुत मेहनत से कमाते है तो निवेश भी ध्यानपूर्वक करें और कहीं किसी भुलावे, बहकावे में ना आयें। संगोष्ठी के प्रवर्तक आईआईएम संबलपुर के सहायक प्राध्यापक एवं भारतीय लेखा संघ, पटना शाखा के सचिव डॉ. धरेन कुमार पाण्डेय रहे। डॉ. श्वेता गोयल ने प्रश्नोत्तरी सत्र का संचालन किया। संगोष्ठी का सफल संचालन दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया के शोधार्थी जतिन कुमार जयसवाल एवं पूजा कुमारी ने किया। संगोष्ठी को सफल बनाने में गया कालेज के विभागाध्यक्ष डॉ. पन्ना लाल एवं डॉ. पंकज कुमार महतो तथा एस एन कॉलेज, जहानाबाद के डॉ. बबलू कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पूजा कुमारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।